ए० बी० कीथ

संस्कृत साहित्य का इतिहास

अनुवादक
डॉक्टर मङ्गलदेव शास्त्री

मोतीलाल बनारसीदास
दिल्ली, मुम्बई, चेन्नई, कोलकाता,
बंगलूरू, वाराणसी, पटना

विषय-सूची

विषय	पृष्ठ
द्वितीय संस्करण की भूमिका	vii
संक्षिप्त संकेत	xv
प्राक्कथन	xix
कुमारलात और प्राचीन काव्य, संस्कृत तथा प्राकृत ...	xx
कालिदास का समय और जन्मस्थान	xxii
ग्रीक और भारतीय पशु-कथाएँ	xxiii
भास के नाटक	xxv
दण्डी तथा अवन्तिसुन्दरीकथा	xxxi
अर्थशास्त्र की प्रामाणिकता	xxxiii
दार्शनिक प्रस्थानों का समय	xxxvi
तुर्किस्तान में प्राप्त आयुर्वेदीय ग्रन्थखण्ड	xl
अंकों की भारतीय उत्पत्ति	xli
लोकभाषा के रूप में संस्कृत	xlii

भाग १

भाषा

१. संस्कृत, प्राकृत तथा अपभ्रंश	३
१. संस्कृत का प्रारम्भ	३
२. संस्कृत के प्रयोग का स्वरूप और विस्तार ...	९
३. साहित्य में संस्कृत की विशेषताएँ और विकास ...	२१
४. प्राकृत भाषाएँ	३३
५. अपभ्रंश	४०

भाग २

ललित साहित्य तथा अलंकार-शास्त्र

२. काव्य-साहित्य का प्रारम्भ और विकास	४९
१. काव्य के मूल-स्रोत	४९
२. रामायण का साक्ष्य	५३
३. पतञ्जलि और पिङ्गल का साक्ष्य	५६
४. अभिलेखों में काव्य	६१

५. कामसूत्र और कवि का वातावरण ६४
३. अश्वघोष और प्रारंभिक बौद्ध काव्य ६९
१. अश्वघोष की रचनाएँ ६९
२. अश्वघोष की भाषा और शैली ७५
३. अवदान ८०
४. आर्यशूर और उत्तरकालीन काव्य ८४
४. कालिदास और गुप्त नृपतिगण ९२
१. गुप्तनृपतिगण और ब्राह्मणों का पुनर्जागरण ... ९२
२. हरिषेण और वत्सभट्टि ... ९५
३. कालिदास का जीवन ९८
४. ऋतुसंहार १०१
५. मेघदूत १०४
६. कुमारसंभव १०७
७. रघुवंश ११४
८. कालिदास के विचार १२१
९. कालिदास की शैली और छन्द १२४
५. भारवि, भट्टि, कुमारदास और माघ १३४
१. भारवि १३४
२. भट्टि १४२
३. कुमारदास १४६
४. माघ १५३
६. द्वितीय श्रेणी के महाकाव्य-कर्ता कवि १६४
७. ऐतिहासिक काव्य १८०
१. भारतीय ऐतिहासिक लेख १८०
२. इतिहास का उपक्रम १८४
३. बिल्हण १९१
४. कल्हण का जीवनवृत्त और समय १९७
५. राजतरङ्गिणी और उसके उद्गम २०२
६. कल्हण एक ऐतिहासिक के रूप में २०६
७. कल्हण की शैली २१२
८. अप्रधान ऐतिहासिक काव्य २१६

८. भर्तृहरि, अमरु, बिल्हण और जयदेव २२०
१. भर्तृहरि २२०
२. अमरू २२९
३. बिल्हण २३४
४. जयदेव २३८
९. गीतिकाव्य और सुभाषितसंग्रह २४९
१. लौकिक काव्य २४९
२. धार्मिक कविता २६२
३. सुभाषितसंग्रह २७६
४. प्राकृत गीतिकाव्य २७७
१० सूक्त्यात्मक तथा उपदेशात्मक काव्य २८२
१. सूक्त्यात्मक काव्य २८२
२. उपदेशात्मक काव्य २९३
११. उपदेशात्मक पशुकथा ३००
१. पशु-कथा का आरम्भ ३००
२. पञ्चतन्त्र का पुनर्निर्माण तथा उसका मूलस्रोत ... ३०५
२. पञ्चतन्त्र का प्रतिपाद्य विषय ३०८
४. पञ्चतन्त्र की शैली तथा भाषा ३१७
५. पञ्चतन्त्र से निकले हुए अन्य ग्रन्थ ३२२
६. हितोपदेश ३२६
१२. वृहत्कथा और उसके वंशज ३३०
१. गुणाढय तथा बृहत्कथा ३३०
२. बुधस्वामी का बृहत्कथाश्लोकसंग्रह ३३८
३. कश्मीरी बृहत्कथा ३४१
४. क्षेमेन्द्र की बृहत्कथामञ्जरी ३४३
५. सोमदेव का कथासरित्सागर ३४९
१३. मनोरञ्जक तथा उपदेशात्मक कथा ३५८
१. मनोरञ्जक कथा ३५८
२. उपदेशात्मक कथा ३६५
१४. प्रधान गद्य-काव्य ३६९
१. दण्डी का समय और रचनाएँ ३६९

२. दशकुमार चरित ३७०
३. दशकुमारचरित का विषय और शैली ३७३
४. सुबन्धु ३८३
५. वासवदत्ता ३८४
६. बाण का जीवन और रचनाएँ ३९९
७. हर्षचरित ३९४
८. कादम्बरी ३९८
९. बाण की शैली ४०७
१५. परवर्ती गद्यकाव्य और चम्पू ४१३
१. गद्यकाव्य ४१३
२. चम्पू ४१४
१६. संस्कृत कविता के प्रयोजन तथा उपलब्धियाँ ... ४२१
१. कवि के प्रयोजन तथा उसकी शिक्षा ४२१
२. उपलब्धि ४२९
१७. पाश्चात्त्य और भारतीय साहित्य ४३९
१. ग्रीस और भारत की पशुकथाएँ और लोककथाएं ... ४३९
२. पञ्चतन्त्र के अनुवाद ४४६
३. शुकसप्तति ४४९
४. पूर्व और पश्चिम में संपर्क के उदाहरण ... ४५०
५. ग्रीस और भारत में गद्यकाव्य ४५७
६. हेक्सामीटर और भारतीय छन्द ४६५
१८. काव्य-विषयक सिद्धान्त ४६७
१. काव्यविषयक सिद्धान्त का आरम्भ ४६७
२. अलंकारशास्त्र के प्रारम्भिक सम्प्रदाय ... ४७१
३. ध्वनि का सिद्धान्त ४८६
४. ध्वनि-सिद्धान्त के आलोचक और समर्थक ... ४९३

भाग ३

शास्त्रीय वाङ्मय

१९. शास्त्रीय वाङ्मय का प्रारम्भ और विशेषताएँ ... ५०५
१. शास्त्रों का प्रारम्भ ५०५

२. शास्त्रीय वाङ्मय की विशेषताएँ ५०८
२०. कोश-ग्रन्थ और छन्दःशास्त्र ५१७
१. संस्कृत कोशों का प्रारम्भ और विशेषताएँ ... ५१७
२. उपलब्ध कोश ५१८
३. छन्दो-विषयक ग्रन्थ ५२२
४. लौकिक संस्कृत काव्य के छन्द ५२४
२१. व्याकरण ५३०
१. व्याकरण-संबन्धी अध्ययन का प्रारम्भ ... ५३०
२. पाणिनि और उनके अनुयायी ५३३
३. परवर्ती संप्रदाय ५४२
४. प्राकृत के व्याकरण ५४४
२२. धर्मशास्त्र (व्यवहार-विधि तथा धर्म-विधि) ... ५५०
१. धर्मशास्त्रों का प्रारम्भ ५५०
२. मनुस्मृति ५५३
३. परवर्ती स्मृतियाँ ५६०
४. धर्मशास्त्रीय निबन्ध-ग्रन्थ ५६४
२३. अर्थशास्त्र, नीतिशास्त्र ५६७
१. अर्थशास्त्र का प्रारम्भ ५६७
२. कौटिलीय अर्थशास्त्र का प्रतिपाद्य विषय और रूप ... ५७०
३. अर्थशास्त्र की वास्तविकता ५७८
४. उत्तरकालीन ग्रन्थ ५८३
५. अप्रधान विद्याएँ ५८६
२४. कामशास्त्र ५८९
२५. दर्शन और धर्म ५९४
१. भारतीय दर्शन का प्रारम्भ ५९४
२. पूर्वमीमांसा ५९६
३. वेदान्त ५९८
(क) अद्वैत तथा माया का सिद्धान्त ६००
(ख) रामानुज ... ... — ६०३
(ग) अन्य व्याख्याकार ६०४

४. अध्यात्म-विद्या और रहस्यवाद ६०५
५. न्याय और परमाणुवाद ६०८
६. सांख्य और योगदर्शन ६१४
७. बौद्धदर्शन ६२०
८. जैनदर्शन ६२७
९. चार्वाक अथवा लोकायत ६२९
१०. दर्शन के इतिहास लेखक ६३०
११. ग्रीस और भारतीयदर्शन ६३१
२६. आयुर्वेद ६३८
१. भारतीय आयुर्वेद का विकास ६३८
२. प्राचीनतर संहिताएँ ६४९
३. बावर हस्तलेख के आयुर्वेदिक अंश ६४३
४. परवर्ती आयुर्वेदिक ग्रन्थ ६४४
५. ग्रीसदेशीय और भारतीय भैषज्य ६४८
२७. सिद्धान्तज्योतिष, फलितज्योतिष और गणितशास्त्र ... ६५२
१. प्राग्वैज्ञानिक युग ६५२
२. सिद्धान्तों का युग ६५४
३. आर्यभट और परवर्ती सिद्धान्त-ज्योतिषी ... ६६८
४. आर्यभट और परवर्ती गणित-शास्त्रज्ञ ६६१
५. ग्रीसदेशीय और भारतीय गणित-शास्त्र ... ६६४
६. वराहमिहिर और प्राचीन फलितज्योतिषी ... ६६७
७. ग्रीस और भारतीय फलित ज्योतिष ६७०
८. वराहमिहिर की कविता ६७२
९. फलित-ज्योतिष-विषयक परवर्ती ग्रन्थ ६७४
अनुक्रमणिका १ (अनूची सहित) ६७७
अनुक्रमणिका २ ... ... ७१७